VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे | अधिकतम अंक: 250

Time Allowed: ***Three Hours*** | *Maximum Marks: 250*

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1091495

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : DEEPTI ROHILLA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
ENGLISH

तारीख
Date
27-08-23

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre
GURUGRAM

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Corporate governance is the process, outcome and methodology procedures adopted by the business firms are in alignment with — people, planet, profit. The idea of compassionate capitalism by Narayan Murthy depicts the role of ESG metrics:-

Need to integrate ESG + Multistakeholder Approach

1) Rising pollution, environment threats by the corporates
   (Eg) Greenwashing

2) Doctrine of trusteeship' by Mahatma Gandhi in alignment with public welfare and philanthropy.

3.) 2-way relationship with the Government officials

Corporates — Government

(Ease of Living) (Ease of doing business)

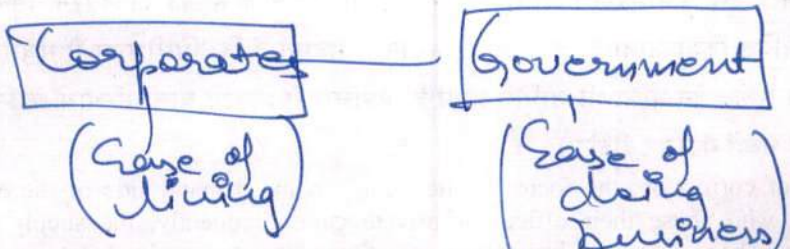

4.) Multi-stakeholder approach for ethical

- Feedback from directors, investors, shareholders
- Communication with employees
- Engagement with customers

Benefits

1.) To prevent gandhian sin of 'Commerce without morality'

2.) To garner
- consumer's trust
- employees dedication
- investor's confidence

3.) In alignment with the rule of law
(eg) CSR funds - ONGC - Green Crematorium (Harit Moksha) during COVID

4.) Participative approach with government for utilitarian benefits.

Thus, it appear to adhere to pro-people and pro-planet governance (Bajaj Committee)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In India, as per Corruption Perception Index (CPI), the rank is 85th. It offers that corruption is a reality in Indian society

Corruption = Monopoly + Discretion - Accountability
as per 2nd ARC

Types
→ Coercive Corruption - non willing
→ Collusive Corruption - willing

Challenge of Collusive corruption

↳ Prevent reporting of corruption cases to authorities like CVC, CBI etc.

↳ Not in line with ethical work culture that promotes transparency

↳ It discourages the acts of ethical conduct and creates social conformity to align with everyone

↳ 'Chalta hai' attitude among officials

↳ Ineffective utilisation of funds goes against the justice to hard earned tax payers money

(eg) Satyendra Dubey highlighted corruption in golden quadrilateral project.

↳ Sets bad precedent and norm of giving corruption : Setting bad example for juniors

Way forward

↳ Use of technology (eg) Gem Portal CCTV cameras
↳ Strong institutions (eg) Anti corruption branch
↳ Code of ethics and citizen's charter
↳ Role of media in sharing best practices

It is crucial for SMART (simple, moral accountable, responsive, transparent) governance

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Citizen's charter is the document that spells out the role of standards in governance service delivery and people's involvement in ensuring accountability.

Major obstacles

1) Design of the charter - old and not based on local aspirations

2) Utilisation - Non-binding and non-compliance

3) Language - Not in regional words, very bureaucratic

4) Non-involvement of citizens in ensuring its implementation

5.) Frequent transfers of the government officials so trust building is not effective.

6.) Civil society organisations are not active in keeping checks and balances.

7.) 'Chalta hai' and 'maibaap' attitude among civil servants - Complacent behaviours

[Way forward]

1.) Citizens engagement
eg MOHUA - Citizen's Perception Survey

2.) Role of civil society
eg Majdoor Kisan Shakti Sangathan

3.) Usage of vernacular language and effective communication
eg Jan Sunwai Kendras

4.) Training of civil servants
eg iGOT platform training

5.) Performance audit of departments and ranking to create healthy competition (eg DARPG - good governance index

Sevottam Model (2nd ARC) to be followed with citizens engagement.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In India, around 15% population belongs to poor category and others with intersection of vulnerabilities (transgender, religion, caste etc) (NITI Ayog) Multidimensional poverty report.

Quality of public service delivery → Quality of life

↳ Dependance on government for basic needs (eg PDS shops for free grain

↳ Welfare (Art-38) objective of government

↳ shift from 'needs based' to rights based approach

↳ To curb rising inequality and plug the gap between haves and have nots

(eg Delhi Annapurna Yojana – Community Kitchen.

Success of public service delivery in India:-

↳ 80 crore people fed by free grain initiative (PM-garib kalyan yojana) during COVID to ensure food security and human development

↳ 40% digital transaction in India showcases - plugging leakages
(eg) DBT (Direct Benefit transfer) in case of subsidy regime

↳ Women's [Nari se narayani]
Bank linkage programme - micro financing
that acted in providing empathetic ecosystem (eg One stop centre. (eg) Millets sisters network.

But, there are inefficience in public service delivery

↳ Corruption & leakages (eg FCI corruption

↳ Persisting vulnerability - 90% manual scavengers belong to SC
due to lack of dignified livelihood

↳ limited citizens participation.

2nd ARC called for vulnerability assessment and priority basis governance for effective & efficient public service

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Lao Tzo is arguing for ethical altruism and need to understand the inter-connectedness among welfare of self and others.

['Tat Tvam Asi' (I am that)]

Wisdom lies in helping others and giving to others to ensure there is maximum happiness for maximum numbers.

↳ It is crucial for having positive self image and sense of satisfaction
(eg) I helped my friends in completing syllabus when she was not well

↳ It helps social capital and community wellbeing
(eg) Baba Amte treating leprosy patient gained respect

↳ It is crucial for plugging the gaps between haves and have nots
(eg) Corporate social responsibility

↳ It is to ensure the fruits of one's expertise is shared for collective wellbeing
(eg) Scientific social responsibility

↳ It prevents 'ego-building' due to sense of having more and keeps one grounded
(eg) Harshad Mehta did scam and ultimately lead a miserable life

↳ The more 'peace' and mental stability is earned
(eg) Vedanta founder helping MSME and new startup

↳ Social entrepreneurship for helping vulnerable section to plug crimes (extortions)

But, at the same time giving to others should not become a fame-gaining exercise and expectation of returns. It should be based out of pure joy, happiness of sabka saath, sabka vikas.

उम्मीदवारों को इस क्षेत्र में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Robert Noyce clearly highlighted the role of ethical leadership in affecting the work culture of juniors and employees, ultimately determining the level of ethical business or governance.

Eg [Corrupt officers
Corrupt juniors]

"We are average of 5 people we spend most time with"

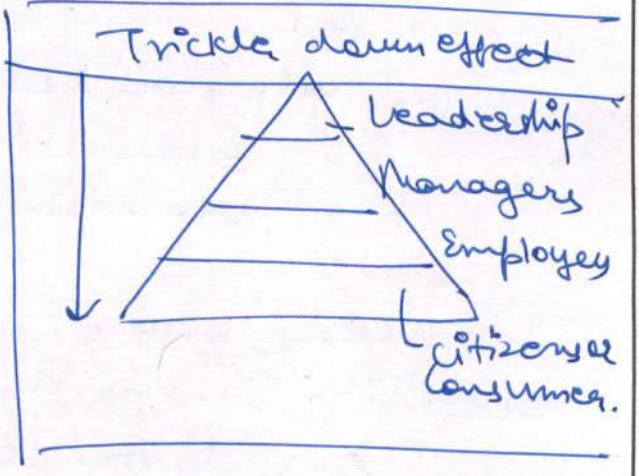

↳ Leaders' are seen as heroes and their acts determine the actions by others.

(eg) Steve Smith – Australian Cricketer – ball tampering Case lead to more such cases

↳ Erosion of position of responsibility by the leaders at top.

(eg) Corruption: Corporate – bureaucratic nexus

↳ The trust of the workers gets eroded and the dedication is lost.

↳ Complacent attitude and against the motto & visions of the company

↳ Consumer's confidence in the firms gets derailed which affects the sales (eg- Bharat Pe corruption led to loss of shares)

↳ It affects the working mechanism and lapses in rules
[eg 'Adani' short selling exposed by Hindenburg report]

Ways to ensure ethical leadership:-

↳ Giving respect to the chair or position one is holding as it can cast ripples of change (eg) Narendra Modi - leader of the year award

↳ Checks and balances (eg) Independent directors

↳ Effective and open feedback loops by juniors & seniors

"We are bees from the same hive" If one bee is changing course then collective 'social conformity' can do course correction

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

John Locke was pioneer of the rights of freedom and ensured that laws act as facilitating mechanism not curbing (Art 19)

Not to abolish or restrain. as

↳ laws should not be simply diktats but collective consciousness based.
(Eg) Press freedom laws for transparency and trust.

↳ laws are objective criteria of assessment without bias and is equal for all. Thus brings relief that it will be transparent.
(eg) Blindfold on Epitome of justice, in court

↳ Constitutional spirit is reflected in laws that has vision of development of "we the people"
(eg) laws have inclusive notion
↳ (Maternity Benefit Act)
freedom to work, after child birth

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

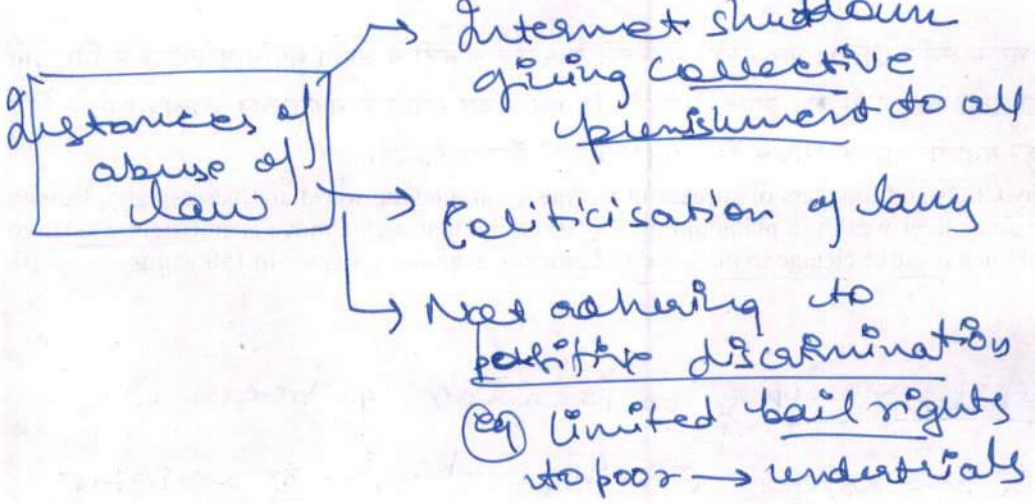

Measures to preserve & enlarge freedom via law

- Doctrine of proportionality (Anuradha Bhasin case)
- Legislative impact assessment
- Barbell strategy - Feedback & amendment in laws (eg) same sex marriage

But, at the same time, laws have certain exceptions

- Abolish untouchability: Regressive social norms (A-17)
- Hard approach for attitude change (eg) Prevention of money laundering
- 'Reasonable restriction'
  (eg) defamation is restricted in freedom of speech & expression

The key is to balance 'freedom' and 'restraint'. The key is in respecting the law established by sovereign.

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

'Philanthropy' is increasing becoming a measure to give back to society and uphold the notion that.. "the best way to find yourself is to lose oneself in the service of others"

Importance of such moves: -

↳ Responsibility of successful people towards utilitarian good (Jeremy Bentham)

↳ Treating 'collective development' as the end based on Gandhian idea of doctrine of trusteeship

↳ In line with Maslow's law of hierarchy

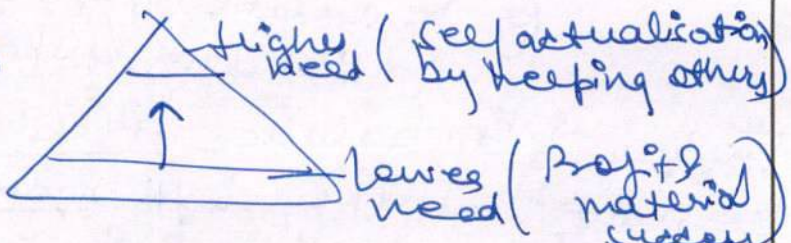

It is necessary but not sufficient move.

↳ 'Philanthropy' is just the beginning the key lies in collective participation and bottom up approach.

↳ At times, philanthropic acts are not truthful
(eg) Greenwashing by firms in the name of climate initiatives

↳ | Giving away wealth | < | Participatory approach |
|---|---|---|
| (eg) Transfer wealth to Charity | | (eg) Teaching slum children on weekends |

↳ Philanthropy tends to make one self 'dependent' and thus need to hustle and do hardwork is diminished

Required steps

↳ Outcome based social impact bonds

↳ Social stock exchange based on proper monitoring of funds usage

"I am because we are" thus philanthropy to continue with synergized efforts & expediated results

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Artificial intelligence is the new age technology where human intelligence can be seen in machines based on deep learning.

Challenging than any other technology
- Big data analytics
- Expensive and complex
- Ethical threats
- Sophistication in crimes
  - eg Deep fakes

Concerns around fairness and transparency

↳ AI tends to make a divide in society that creates social disharmony

eg Use of AI by rich in productive management and poor is unaware of the technology

↳ Big technocracy in providing the AI (eg Microsoft, Chat GPT Bard, DALLE.

↳ 'Sovereignty' of digital technology is questioned

↳ AIs in money laundering with identity theft, deep fakes

↳ Racial bias' (eg chat GPT showed 'blacks' as 'criminals'

↳ Threats of AI becoming sentient (eg Lamda.

↳ Job security → WEF Report: 25% jobs could be replaced by AI which are clerical and semi-skilled (eg law cases, forensics

Way forward

↳ Ethics guideline similar to Isaac Asimov code of ethics for robots

↳ #AI for all initiative: Digital literacy and upskilling

The need is to foster collaboration for technology — case of living.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati was the founder of Arya Samaj who gave the call for India for Indians and Back to Vedas.

Saraswati's ideas
- → Education for all
  Eg female colleges, DAV schools
- → Back of vedic scripture for philosophy based learning
- → Shunning dark practices, illogical rituals in hinduism
  Eg Against Shraadhs
- → Gender equality for equitable development
- → Removing caste discrimination
- → Nationalist zeal and self reliance (Swaraj)

Influence in contemporary times:-

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ The National education policy (NEP) focuses on holistic education based on ancient scriptures

↳ The need for female education by providing cycles in Bihar to young girls, midday meal etc.

↳ Shunning colonial mindset (Panch by Pran hon'ble PM)

↳ Pride in our cultural heritage (eg) Bharat SHRI initiative in Budget 2025

↳ Anti-caste measures, dignity of labour (eg) Bandicoot robot to curb manual scavenging.

↳ Scientific temper development (Art 51)

John Rawls) Society is like a chain, weakest link is as important as the strongest link. So, one should focus on sabka saath, sabka vikas

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

Dedication refers to the level of investment of time, money and effort towards public welfare (Article 38)
↳ Determine commitment
↳ Determine outcome of project
↳ Prevent corruption
(eg) IPS Naresh Bhagwat - dedicated to remove human trafficking

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

↳ Not to be affiliated with any political party and convey doctrine of political neutrality for smooth power transition.
(eg- Ashok Khemka exposed DLF scam

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

Objectivity is based on merit, facts and rational criteria of assessment.
→ It removes bias
↳ It fosters public trust
(eg) UPSC conducts examination for IAS/IPS based on objective criteria not through nepotism

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता

Tolerance in pluralistic societies

"The answer to difference is to respect it" — John Hume. In pluralistic society with diversity, tolerance ensures peace, social capital, harmony and collective wellbeing (eg) Mewat communal riots due to lack of tolerance.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

(v) लोक सेवा में करुणा

Compassion in public service

Compassion refers to the ability to understand other's suffering and taking steps to eliminate it. In public service, it holds value for fostering welfare of vulnerable section

↳ Trust building

↳ Emotionally intelligent civil servants

(eg) Minal Karanwal (IAS) tribal women development

(eg) Armstrong Pame — North East development.

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional intelligence refers to the ability to use, understand and manage one's emotions and of others as well. As per Daniel Goleman, 80% success is due to EQ and 20% IQ

It is associated with

self awareness, self regulations, leadership and social skills,

But It, includes a wide range of personality characteristics :-

(1) Honesty - To acknowledge that one is feeling angry, or depressed

eg Simone Biles, US athlete came out openly about her mental health challenges

(2) Objectivity in determining emotions

and not letting emotional hijacking of brain by brainwashing,

(eg) Osama Bin laden — a successful engineer but a terrorist.

(3) Courage in accepting one's weakness and will power to improve upon them.

(eg) Anger and stress management exercise like yoga and meditation

(4) Being compassionate and humble with others and "forgive" if one is being hurt.

(eg) Revenge porn' due to limited emotional understanding later, feeling of guilt and remorse

(5) Competitive world — job layoff, sexual harassment at workplace demand adversity quotient (AQ)

(6) others like social intelligence and understanding non-verbal cues of communication.

It is thus crucial for personal and professional success.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Accountability refers to answerability for one's actions and decision.
It is a crucial component of ethical governance highlighted by Nolan Committee.

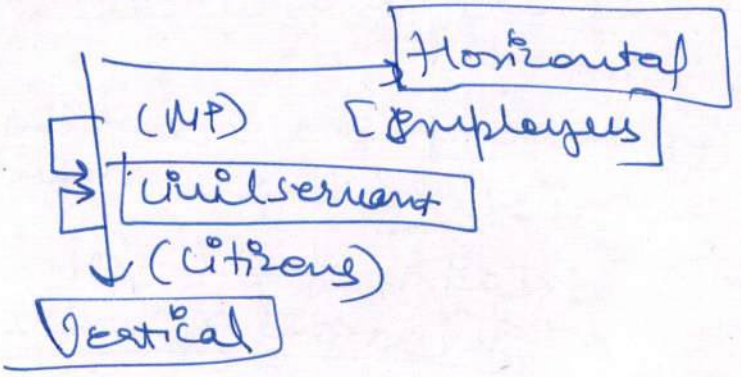

Inadequate due to :—
↳ collusion of juniors and seniors
↳ Politicisation of Independent Institutions like ED, CBI
↳ Citizen's engagement is limited
↳ Employees do not report the wrongdoing due to friendship.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Multistakeholder and bottom up approaches

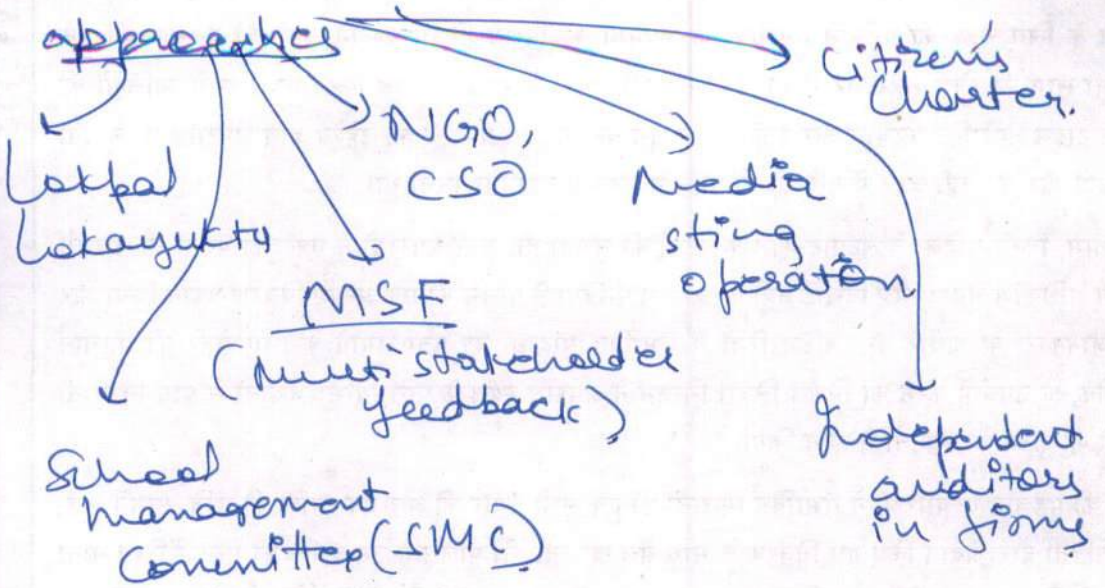

- Lokpal, Lokayukta
- NGO, CSO → MSF (Multi stakeholder feedback)
- Media sting operation
- Citizens Charter
- School management committee (SMC)
- Independent auditors in firms

Benefits:-

- Citizen led - Jan bhagidari
- Effective, efficient, timely and cost effective
- Decentralised eg social auditing of MGNREGA work by Panchayats
- Accountability by media - threat of reputational loss

But there are limitations like

- limited awareness and participation
- Not skilled, scientific
- Non-binding

Need for trust building exercise and regular participation by citizens

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

> Right is right even if no one is following it. wrong is wrong even if everyone is following it"

The above case highlights that if one has not done any wrong but still charged of offence have negative impact on mental health and reputation.

a) Issues involved.

↳ 'Innocent until proven guilty' is not adhered by the police → unethical governance

↳ Irreversible technology in sensitive case if police investigation is not thorough

↳ Reputational loss' (Subramanian Swamy case – Right to reputation is a fundamental right)

↳ Mental health challenges like stress, anxiety, inflicted guilt etc. affects human wellbeing.

↳ Loss of 'sense of place' due to eviction.

↳ Multiplier effect on family and distress without any negative intention.

↳ Job prospects' get threatened and ultimately career path' will be affected.

↳ Bureaucratic attitude in dealing with the case by police → Arrest without sufficient evidence

↳ Using technology results' as an end it itself, rather it should be a facilitator.

↳ Inefficient management of metropolitan city (large population and complex crimes like extortion). It shows inadequacy in urban policing.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ woman who reported the cases has not been dealt and justice is not served.

b) Measures to be taken

↳ designing standard operating procedures (SOPs) in dealing with such complex crimes.

↳ Police verification by physical examination of the perpetrator for objective decision making.

↳ seeing FRT (facial recognition technology) as 'means' and not an 'end' in itself

↳ Kantian ethics — Humans to be treated as end in itself → No punishment to innocent.

↳ Police training in technology; sensitive cases handling

↳ The counsellors and psychologists help to be sought for dealing with mental health issue (1 in 5 deal with stress in India)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ Compensatory action' by police →
Announcing that their action is wrong and apologizing publicly to prevent reputation loss. - Urban eviction.

∴ A humane approach is crucial for ethical policy". Governance is mix of manliness and saintliness as per Swami Vivekananda.

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As per Supreme Court - Vishaka Guidelines, = An uncomfortable and unwelcomed act of extra attention amounts to sexual harassment (Bhanwari Devi Case). It is against right to live with dignity (Article 21) and demand for workplace sensitization.

9) Ethical dilemma faced by Rina

↳ Individual ethics v/s Organisational ethics

↳ Intuition v/s Objective criteria as VP has not done anything directly

↳ Threat of job loss v/s Threat of self-worth

↳ Economic growth & Career prospects v/s Moral Conscience

↳ How to draw the line between friendliness and harassment?

↳ Subjective Uncomfortableness V/S Objective like actions like chatting, staring

↳ Threat to work culture - junior V/S senior and duty to obey Seniors.

↳ Whom to report? Manager also is under VP direction.

↳ Concentration towards work. and passion of working is diminished by doubt of reporting or not reporting

b) **Options**

↳ Change the company and leave to some other workplace

Merits

- Mental peace
- Self respect
- Work culture to be empathetic and safe
- No toxic boss'
- Constitutional right of dignity

Demerits

- Job loss - finding another job
- Guilt of leaving a secured space
- May be over-thinking and treating extraordinaries as threat
- VP not aware
- Another such case can occur (Bad Precedent)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ Warn VP that she is feeling uncomfortable and stop the extra-friendliness + work with professionalism

Merits	Demerits
– Take the confidence of employees (strength in numbers)	– Might lead to job loss
– Directly confronting with courage – clear communication	– Career prospects hampered
– work culture will be ethical	– VP at higher position – might not change anything

↳ Even after confronting the acts do not stop, report it to police as it is a criminal offence under Prevention of sexual harassment Act, 2013 and report to Internal Complaints Committee (ICC)

Merits	Demerits
– No guilt of not reporting	– ICC – VP at higher position
– VP aware of his wrongdoing	– might lead to job loss
– Institutional check – Investigation based	– No behavioural change of VP

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

c) Course of action to be adopted

↳ First things first, take objective basis of the harassment done based on self and employees observation to be fully 'sure' of his harassment.

↳ Talk to employee and sharing her feelings and mental agony

[" A friend in need is a friend indeed"]

↳ Not let the harassment stop her career prospects as she has not done anything wrong. So, communicate directly to VP.

↳ Do not accept her friend request, stop chatting on phone if it is making her uncomfortable

' Show signs of disapproval '

↳ Report to ICC if the acts still continue and provide CCTV evidence and testimony of fellow employees.

'Nari is Narayani' to be upheld.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) How will you resolve the issues in the given case?

(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

'learning bring creativity,
creativity bring innovation,
innovation bring efficiency
which makes one great'
— Dr APJ Kalam

The destiny of a nation is shaped
in its classroom hence objective,

Transparent and fair examination are the means to achieve SDG 4.
(HDI Rank of India : 132nd Rank)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

a) [Ethical issues involved:]

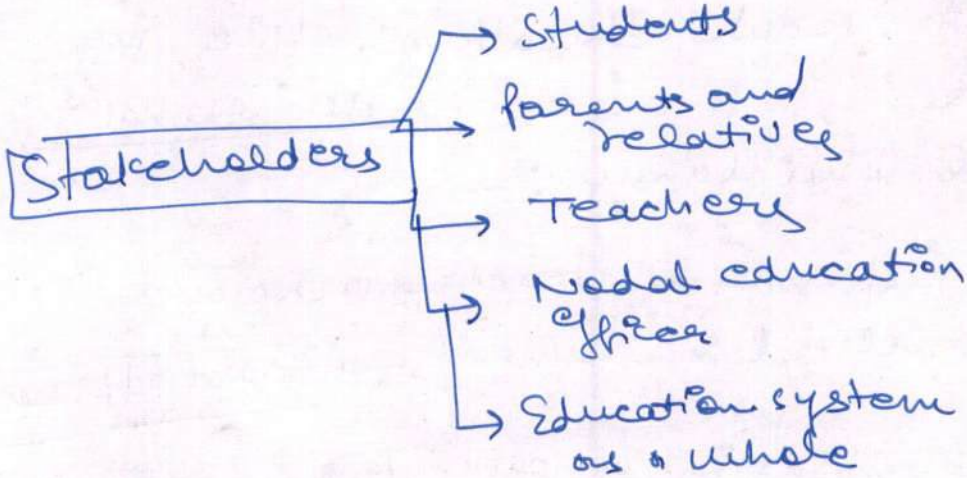

Stakeholders
- Students
- Parents and relatives
- Teachers
- Nodal education officer
- Education system as a whole

Issues:-

↳ The collusion of parents and students leads to support and fuelling of such incidents

↳ Teachers are the first role model, their accountability is against the sanctity and the mandate of the job

↳ The future of education → employment, such acts goes against the spirit of knowledge.
[Vidya dadati vinayam]

↳ Practical issues → Shortage of teachers
→ Time and money loss in conducting (3% GDP – education)

b) Resolution of the above case

↳ As Nodal educational officer, my task is to ensure quality education, so I will ensure:–

↳ Suspension of teachers who are involved in such acts → Hard approach

↳ Sensitization of students and parents by workshops, PTM meetings
└ Soft Approach

↳ Practical steps
↳ Usage of CCTV cameras in examination halls for evidence based actions
→ Metal detectors installation by CSR or other funds to curb new technology usage.
→ Teachers Team against such chit by deploying them in exam halls during examination
→ 'Honest students' to act as

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

motivators → Award ceremony to incentive ethical actions.

↳ Cancellations of exams to be based on the scale of cheating.

↳ Alternative methods of conducting examination
(eg) — Oral test, Viva along with written test

c) **Long term strategy**

→ Cheating is the symptom, the real cause is lack of interest and understanding the importance of education

•) Firstly, students to choose multiple, varied subjects in which they have interest
(eg) — Maths + Political science (NEP guidelines)

•) Multi-dimensional methods of assessment
(eg) 'PARAKH' tool based on year long evaluation so pressure of examination is reduced.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

○) formation of school management committee with parents and teachers for sensitization and behavioural nudging.

○) Teacher's training based on soft and hard skills
(eg) NISTHA training - Online app → score based promotion of teachers.

Education should be holistic that involves not passing exams but learnings for lifetime like hardwork.

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?

(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

? Ecology is the permanent economy".
The earth has enough for everyone's need but not for everyone's greed. The aspects of sustainability is multidimensional

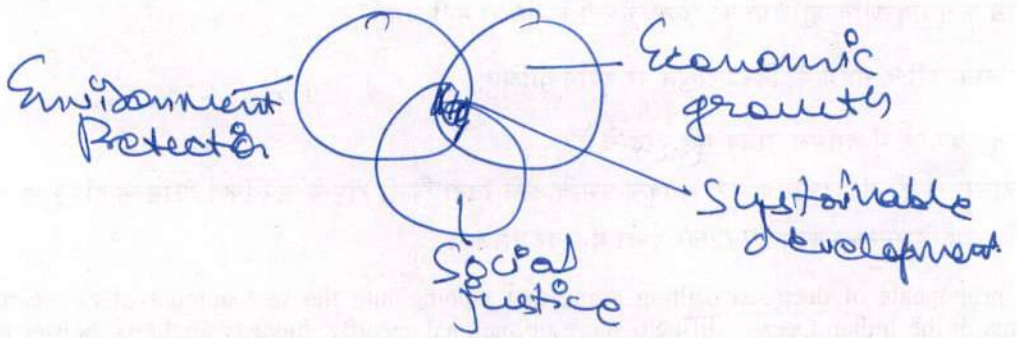

a) Ethical issues involved :-

↳ The trade off between economy (Rare earth minerals) and the Ecology (marine flora & fauna)

↳ Government long term goals Versus — private sustainability measures

↳ Unclear outcomes due to limited research and no global regulations dictating SOPs in such project

↳ Environment impact assessment (EIA) has not been addressed comprehensively.

↳ Sharing the benefits out of such projects is to be divided on ambiguous basis — Crony Capitalism threat

↳ Selfish national interest V/S tragedy of global commons

b) Achieving the vision of economic development + ocean sustainability

↳ Comprehensive understanding of the ocean resources

Mineral | Energy | Biotic (fisheries)

↳ Blue economy = sustainable use of ocean involves use of all 3 and not just by deep sea drilling

(eg) Solar farms, OTEC — Renewable energy

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ Using remote sensing technology and mineral prospecting before drilling : Proactive, scientific basis of drilling

↳ Involving local communities in economy via ocean resource

eg SAIME cultivation: Mangrove based shrimp cultivation

[balance of economy and environment]

↳ Following the UNCLOS laws and not mining/drilling outside the national jurisdiction as it is a common property resources

eg drilling along Mumbai High in India by using least disruptive technology

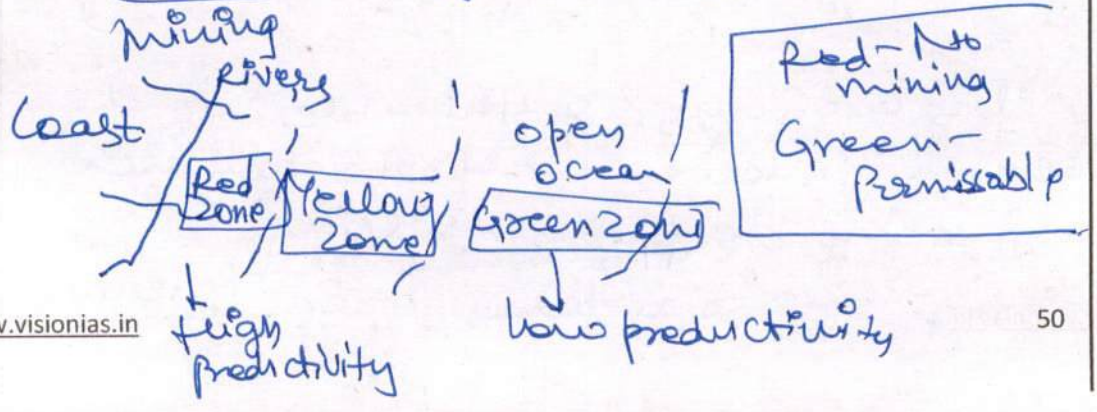

↳ Adhering to coastal regulation zone and "graded" approach in mining

↳ Supply chain diversification for sourcing rare earth minerals

(eg- Critical minerals agreement with Australia for Shared prosperity

The ocean resources are the next frontier for rising population needs but one must adhere to mix of ecocentric and technocentric approaches.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"The earth belongs to us and we belong to earth"

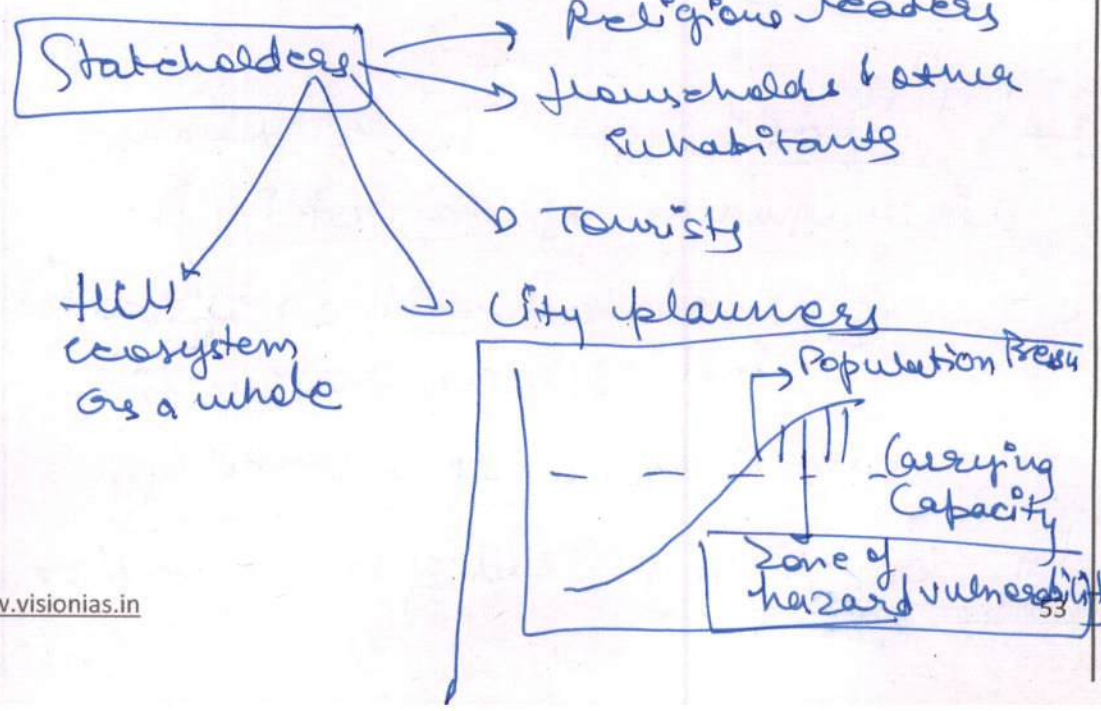

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As District Magistrate, my course of action will be:-

↳ Patient listening of both the sides and effective assurance of merit, unbiased and scientific decision making

↳ Preparation of reports by independent planners and academic researchers and geographers

- Environment impact assessment
- Social impact assessment

↳ 'Light green approach' - The religious site to be of small size based on scientific methods.

↳ 'Ticket' system for allowing limited numbers of tourist influx

(eg) Kedarnath online registration and approval system for mix of economy and ecology

↳ Home stays instead of resort complex

b) 1)

Merits

↳ City planners have already remand any threats and should be based on objective, expert viewpoint.

↳ Economic growth will ultimately benefit all with forward and backward linkages

↳ Tourist attraction, will lead to more tax revenue – in future the roads size can be increased.

Demerits

↳ Not participative governance

↳ Erosion of trust of people

↳ without EIA and independent study, there is possibility of communal riot (religious sensitivity)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Merits
- In line with environment protection
- Multistakeholder based governance
- Respect to all religions
- Ensure proper communication & grievance redressal

Option 2

Demerits
- The religious sentiments might get hurt
- Against city planners objective view
- Easily influenced by the people without thorough investigation

Option 3

Merits
- seems fair and reasonable
- In adherance to both the views
- Small design, and additional regulation for Environment protection

It should be based on inclusion of all and adhere to 'Balanced' (Madhyam Budha) marg

12. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?

(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?

(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

: Marriage is about love and companionship and should not be viewed with any bias or lens"

Ethical issues :-

↳ Right to marry a person of ones choice is a fundamental right (Art 21)

↳ Public responsibility v/s Private responsibility

↳ Career ambition of politician v/s Loving father

↳ To adhere to organisational ethics of political party or personal ethics of daughter's happiness

↳ Giving respect to bridegroom

↳ Trust of citizens of constituency to be maintained.

b) Various options

↳ No grand ceremony but only a close gathering

↳ Grand celebration — keeping father's promise about party's duration

↳ Reject the marriage proposal for now and conduct grand marriage after elections

↳ Communicate with daughter about my ethical dilemma and understand each other's perspective

∴ The answer to difference is to respect it" — [John Hume]

↳ Being tolerant and keeping high social and political intelligence by rejecting party ticket

↳ Standing up as [Independent candidate]

Positive perception of being liberal among voters

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Q) My course of action

↳ Delaying the marriage after election, than too grand celebration to have 'golden mean' / middle path.

↳ Making daughter understand ~~and~~ his political career

↳ If my daughter is not in alignment with the delay then I will put my daughter's wish above narrow political lines.

↳ Being a good father, respectful human being and liberal person is more crucial than winning an election.

↳ Using the wedding ceremony as the symbol of his adherance to personal ethics,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

liberal and democratic attitude
↓
[Appeasement of young voters in a good way]

↳ 'Let my actions speak' – The political win in an election is to be based on my welfare actions, not on personal choice

: Politics without principle" is a gandhian sin.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK